

(i) Printed Pages : 4

Roll No.

(ii) Questions : 9

Sub. Code :

8	0	7	2
---	---	---	---

Exam. Code :

1	1	0	3
---	---	---	---

B.Ed. 4th Semester

(2040)

GUIDANCE AND COUNSELLING (In all Mediums)

Paper-F-4.2

Time Allowed : ~~Three Hours~~

[Maximum Marks : 40

Attempt 50% of Total Questions of Question Paper. Time: 3 Hours.
All will carry equal marks. Fraction will be lower digit.

~~All questions carry equal marks.~~

UNIT-I

1. Discuss the need of educational and vocational guidance. 5+5
2. Why do we need counselling ? Discuss the assumptions of counselling. 3+7

UNIT-II

3. How would you organise guidance and counselling services at senior secondary level ? Discuss. 10
4. Explain the importance of placement and follow-up services. 5+5

UNIT-III

5. In what ways are interest and achievement tests helpful in understanding individuals ? Explain. 5+5

6. Describe the importance of interview and case study in understanding providing guidance and counselling to individuals. 5+5

UNIT-IV

7. Differentiate between non-directive, directive and eclectic approaches to counselling. 10
8. Throw light on recent trends in guidance and counselling. 10

UNIT-V

9. Write short notes on : 10
(a) Objectives of guidance.
(b) Role of Headmaster in guidance.
(c) Job analysis.
(d) Need of guidance for Indian adolescents. 10

(द्वितीय माध्यम)

नोट :- सभी में से पाँच प्रश्न करें। प्रत्येक यूनिट 1 से IV में से एक प्रश्न करें। प्रश्न न 9 (यूनिट-V) अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के समान अंक हैं।

यूनिट-I

1. शैक्षिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन की आवश्यकता पर चर्चा करें। 5+5
2. हमें आउसलिंग की आवश्यकता क्यों है ? काउंसलिंग की माय्यताओं पर चर्चा करें। 3+7

यूनिट-II

3. त्रिचल माध्यमिक स्तर पर मार्गदर्शन और परामर्श सेवाओं का आयोजन आप कैसे करेंगे ? चर्चा करें। 10
4. प्लेसमेंट और अनुवर्ती सेवाओं के महत्व को समझाएं। 5+5

यूनिट-III

5. व्यक्तियों को समझने में अभिव्यक्ति और उपलब्धि परीक्षण किन तरीकों से मददगार है ? व्याख्या करें। 5+5

6. व्यक्तियों के लिए मार्गदर्शन और परामर्श प्रदान करने और समझने में साक्षात्कार और केस स्टडी के महत्व का वर्णन करें। 5+5

यूनिट-IV

7. परामर्श के लिए गैर-निर्देश, निर्देश और उदार दृष्टिकोण के बीच अंतर करें। 10

8. मार्गदर्शन और परामर्श में हाल ही के रुझानों पर प्रकाश डालें। 10

यूनिट-V

9. लघु नोट लिखें -

- (क) मार्गदर्शन के उद्देश्य
(ख) मार्गदर्शन में हेडमास्टर की भूमिका
(ग) नीकरी विस्तारण
(घ) भारतीय किशोरों के लिए मार्गदर्शन की आवश्यकता। 10

(पंजाबी अनुवाद)

नोट :- प्रश्नों के लिए पंजाबी प्रश्न करें। प्रत्येक यूनिट I-IV के लिए एक प्रश्न करें और यूनिट-V के लिए पं. नं. 9 लक्ष्य है। सभी प्रश्नों के समान अंक हों।

यूनिट-I

1. विधिभेद और विद्यार्थिक माहतरता की आवश्यकता की आवश्यकता को समझाएं। 5+5
2. सभी काउंसलिंग की लक्ष्य क्यों है ? काउंसलिंग की माहतरताओं को समझाएं। 3+7

ਯੂਨਿਟ—II

3. ਸੀਨੀਅਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਪੱਧਰ 'ਤੇ ਮਾਰਗਦਰਸ਼ਨ ਅਤੇ ਸਲਾਹ ਸੇਵਾਵਾਂ ਨੂੰ ਤਸੀ ਕਿਵੇਂ ਸੰਗਠਿਤ ਕਰੋਗੇ ? ਚਰਚਾ ਕਰੋ। 10
4. ਪਲੇਸਮੈਂਟ ਅਤੇ ਵਾਲੋ-ਅਪ ਸੇਵਾਵਾਂ ਦੀ ਮਹੱਤਤਾ ਬਾਰੇ ਵਿਆਖਿਆ ਕਰੋ। 5+5

ਯੂਨਿਟ—III

5. ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ ਸਮਝਣ ਵਿੱਚ ਦਿਲਚਸਪੀ ਅਤੇ ਪ੍ਰਾਪਤੀ ਟੈਸਟਾਂ ਦੇ ਕਿਹੜੇ ਤਰੀਕੇ ਮਦਦਗਾਰ ਹੁੰਦੇ ਹਨ ? ਵਿਆਖਿਆ ਕਰੋ। 5+5
6. ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਨੂੰ ਮਾਰਗਦਰਸ਼ਨ ਅਤੇ ਸਲਾਹ ਦੇਣ ਦੀ ਸਮਝ ਵਿੱਚ ਇੰਟਰਵਿਊ ਅਤੇ ਕੇਸ ਸਟੱਡੀ ਦੀ ਮਹੱਤਤਾ ਬਾਰੇ ਚਰਚਾ ਕਰੋ। 5+5

ਯੂਨਿਟ—IV

7. ਸਲਾਹ-ਮਸ਼ਵਰੇ ਲਈ ਗੈਰ-ਨਿਰਦੇਸ਼ਕ, ਨਿਰਦੇਸ਼ਕ ਅਤੇ ਉਦਾਰ ਪਹੁੰਚ ਦੇ ਵਿਚਕਾਰ ਅੰਤਰ ਕਰੋ। 10
8. ਮਾਰਗਦਰਸ਼ਨ ਅਤੇ ਸਲਾਹ ਦੇਣ ਦੇ ਤਾਜ਼ਾ ਰੁਝਾਨਾਂ 'ਤੇ ਚਾਲਣਾ ਪਾਓ। 10

ਯੂਨਿਟ—V

9. ਲਘੂ ਨੋਟ ਲਿਖੋ :
- (ੳ) ਮਾਰਗਦਰਸ਼ਨ ਦੇ ਉਦੇਸ਼
- (ਅ) ਮਾਰਗਦਰਸ਼ਨ ਵਿੱਚ ਹੈਂਡਮਾਸਟਰ ਦੀ ਭੂਮਿਕਾ
- (ੲ) ਨੈਕਰੀ ਵਿਸ਼ਲੇਸ਼ਣ
- (ਸ) ਭਾਰਤੀ ਕਿਸੇਮਾਂ ਲਈ ਮਾਰਗਦਰਸ਼ਨ ਦੀ ਲੋੜ। 10